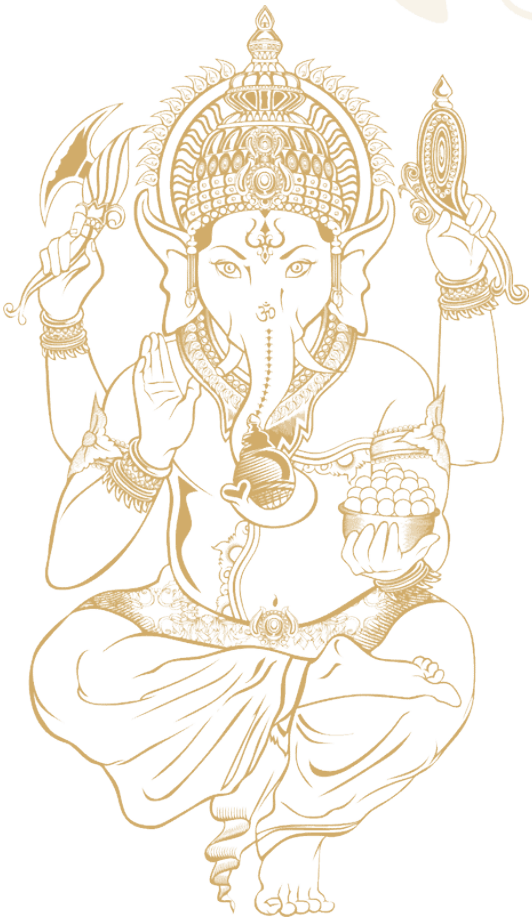

Mr.

21 Nov 2025

09:05 AM

Delhi

Model: Varshphal-2017

Order No: 120258801

तिथि 21/11/2025 **समय** 09:05:00 **वार** शुक्रवार **स्थान** Delhi **चित्रपक्षीय अयनांश** : 24:13:10
अक्षांश 28:39:00 उत्तर **रेखांश** 77:13:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:21:08 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	12:45:27 घं	गण	देव
वेलान्तर	00:14:09 घं	योनि	मृग
सूर्योदय	06:48:52 घं	नाड़ी	मध्य
सूर्यास्त	17:25:12 घं	वर्ण	विप्र
चैत्रादि संवत	2082	वश्य	कीटक
शक संवत	1947	वर्ग	सर्प
मास	मार्गशीर्ष	युँजा	मध्य
पक्ष	शुक्ल	हंसक	जल
तिथि	1	जन्म नामाक्षर	ने-नैनसुख
नक्षत्र	अनुराधा	पाया(रा.-न.)	लौह-ताम्र
योग	अतिगण्ड	होरा	चंद्र
करण	बव	चौघड़िया	लाभ

विंशोत्तरी		योगिनी	
शनि 3वर्ष 5मा 1दि		भ्रामरी 0वर्ष 8मा 19दि	
शनि		भ्रामरी	
21/11/2025		21/11/2025	
23/04/2029		11/08/2026	
	00/00/0000		00/00/0000
	00/00/0000		00/00/0000
	00/00/0000		00/00/0000
	00/00/0000		21/11/2025
	00/00/0000	संकटा	10/12/2025
	00/00/0000	मंगला	20/01/2026
	21/11/2025	पिंगला	11/04/2026
राहु	11/10/2026	धान्या	11/08/2026
गुरु	23/04/2029		

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			03:38:47	धनु	मूल	2	केतु	सूर्य	---	0:00			
सूर्य			04:51:15	वृश्चि	अनुराधा	1	शनि	शनि	मित्र राशि	1.25	मातृ	पितृ	जन्म
चंद्र			14:16:01	वृश्चि	अनुराधा	4	शनि	राहु	नीच राशि	1.19	भ्रातृ	मातृ	जन्म
मंगल		अ	17:48:46	वृश्चि	ज्येष्ठा	1	बुध	बुध	स्वराशि	0.91	अमात्य	भ्रातृ	सम्पत
बुध	व	अ	03:03:48	वृश्चि	विशाखा	4	गुरु	राहु	सम राशि	1.16	पुत्र	ज्ञाति	अतिमित्र
गुरु	व		00:47:00	कर्क	पुनर्वसु	4	गुरु	मंगल	उच्च राशि	0.98	कलत्र	धन	अतिमित्र
शुक्र			23:35:54	तुला	विशाखा	2	गुरु	शनि	स्वराशि	1.15	आत्मा	कलत्र	अतिमित्र
शनि	व		00:58:55	मीन	पू०भाद्रपद	4	गुरु	मंगल	सम राशि	0.90	ज्ञाति	आयु	अतिमित्र
राहु	व		21:00:42	कुंभ	पू०भाद्रपद	1	गुरु	गुरु	मित्र राशि		---	ज्ञान	अतिमित्र
केतु	व		21:00:42	सिंह	पू०फाल्गुनी	3	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि		---	मोक्ष	क्षेम

लग्न-चलित

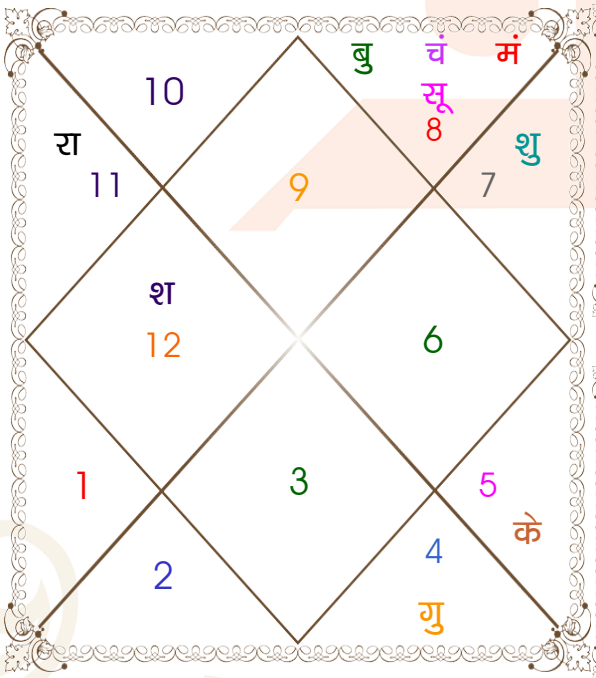

चन्द्र कुंडली

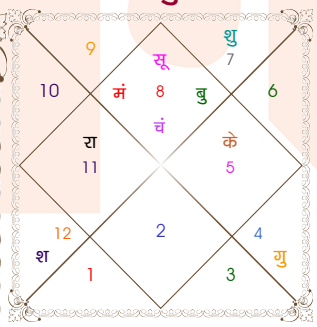

नवमांश कुंडली

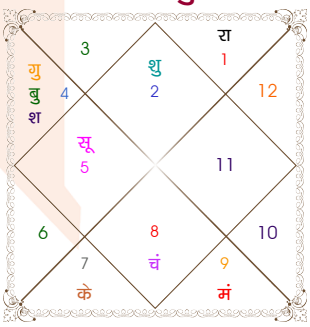

सर्वाष्टकवर्ग

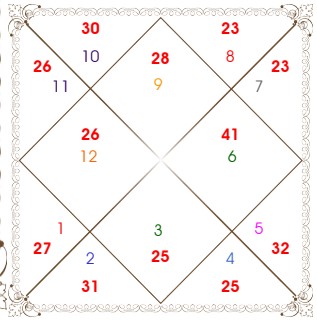

दशमांश कुंडली

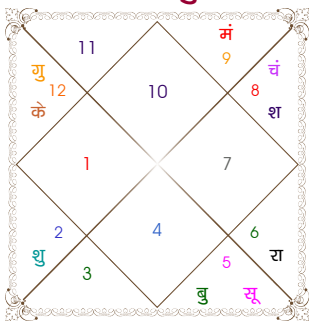

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में प्रसन्नता की आप अनुभूति करेंगे। इस समय समाज में आप एक गुणवान पुरूष के रूप में समझे जाएंगे तथा सभी लोग आपको वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा का भाव रहेगा तथा यत्न पूर्वक धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन करते रहेंगे। इस समय आप कुएं या बगीचे आदि का निर्माण भी कर सकते है। समस्त भौतिक सुख संसाधनों की इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपको भूमि या जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा सुन्दर आवास स्थान के प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में उन्नति तथा विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी । इस समय विदेशियों से अथवा अन्य भौतिक कार्यो से आप विशिष्ट धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सेवक वर्ग का भी पूर्ण रूप से सुख प्राप्त होगा अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आप शारीरिक रूप से कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में व्याकुलता तथा अशान्ति का भाव रहेगा । इस समय आपके विगत रूके हुए कार्य तथा मानसिक संकल्प अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता के लिए आपको अत्यधिक परिश्रम एवं संघर्ष करना पड़ेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा पारिवारिक जनों के मध्य कलह एवं मतभेद रहेंगे। स्त्री का स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा तथा आपसी संबंधों में भी मधुरता कम ही रहेगी। अतः इस वर्ष में दाम्पत्य जीवन का सुख मध्यम रहेगा। इसके साथ ही यात्राओं से आपको विशेष लाभ नहीं होगा तथा इनमें व्यय ही अधिक होगा अतः लम्बी दूरी की यात्राओं की इस समय यत्नपूर्वक उपेक्षा करें। शत्रु वर्ग से भी इस समय परेशानी रहेगी तथा मित्रों एवं संबंधियों से विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा।

व्यापारिक एवं कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा अत्यंत ही परिश्रम एवं संघर्ष से आपको इसमें सफलता प्राप्त होगी। साथ ही नौकरी या राजनीति में भी पदोन्नति में व्यवधान तथा विलम्ब होगा तथा विरोधी भी प्रबल रहेंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से आपको कोई विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा समाजिक मान प्रतिष्ठा एवं यश भी मध्यम रहेगा । आर्थिक स्थिति भी इस समय सामान्य रहेगी तथा यदा कदा व्ययाधिक्य के कारण आपको परेशानी हो सकती है। अतः बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करना चाहिए तभी शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्य मान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे,व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रूके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्यो में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे ।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकाशं समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा इससे आपको कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति होगी परन्तु इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। साथ ही मानसिक स्थिति भी आपकी अच्छी रहेगी एवं शान्तिपूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करेंगे। शत्रुपक्ष से इस समय आपके लिए समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा समस्याओं का समाधान तथा शत्रुओं का सामना करने में आप समर्थ रहेंगे तथा सफलता भी आपको प्राप्त होगी। आर्थिक दृष्टि से वर्ष सामान्य रहेगा तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा परन्तु सामान्य स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा। इस समय आपके कुछ रूके हुए महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा मानसिक संकल्पों में भी सफलता प्राप्त होगी।

इस वर्ष में व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति सामान्य रहेगी तथा यदा कदा इसमें समस्याएं भी उत्पन्न होंगी अतः ऐसे समय में अत्यधिक परिश्रम एवं पराक्रम की आवश्यकता रहेगी। नौकरी या राजनीति में भी आप की पदोन्नति हो सकती है परन्तु इसमें विलम्ब हो सकता है। व्यापार के क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा परिश्रम पूर्वक सफलताएं भी प्राप्त होंगी। इसके अतिरिक्त राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों तथा सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपके सम्पर्क बनेंगे तथा उनसे आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। इसके साथ ही इस वर्ष में आपको किसी विशिष्ट लाभ की भी प्राप्ति होगी। अतः सफलताएं अर्जित करने के लिए प्रयत्नशील रहें।

प्रथम मास
21/11/2025 09:05:00 से 20/12/2025 22:45:38 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	03:38:47
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	04:51:15
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	14:16:01
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	17:48:46
बुध	व	वृश्चिक	विशाखा	03:03:48
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:47:00
शुक्र		तुला	विशाखा	23:35:54
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	00:58:55
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:00:42
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	21:00:42
मुंथा		धनु	मूल	03:38:47

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

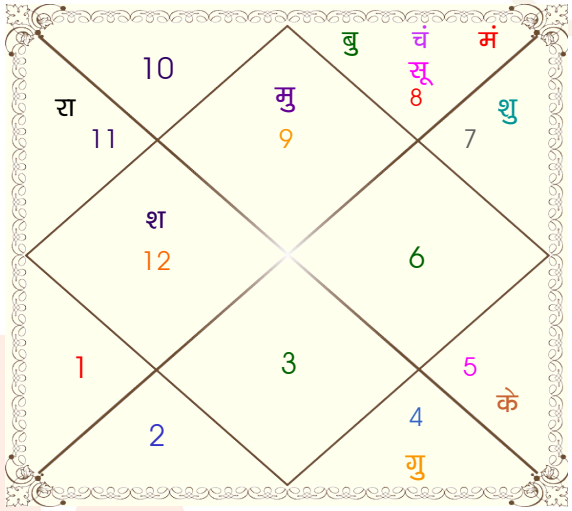

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा पराक्रम में भी वृद्धि होगी जिससे शत्रु वर्ग आपसे भयभीत रहेगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सम्मान प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आपकी आय होती रहेगी जिससे आर्थिक रूप से पूर्ण रूपेण सुदृढ़ रहेंगे। इसके शुभ प्रभाव से आप समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा भाग्य में भी उन्नति होगी एवं कोई विलम्ब हुआ शुभ एवं महत्पूर्ण कार्य भी सम्पन्न हो सकेगा। इसके, अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में सफलता प्राप्त होगी एवं सम्पूर्ण वातावरण प्रसन्नता से युक्त रहेगा।

साथ ही इस मास में न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इससे आप गर्मी से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रुधिर सम्बधी विकार भी हो सकता है। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधानी रखनी चाहिए। साथ ही आग के द्वारा भी किसी प्रकार की हानि की सम्भावना हो सकती है। अतः सतर्क रहें।

द्वितीय मास

20/12/2025 22:45:38 से 19/01/2026 09:29:21 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:24:54
सूर्य		धनु	मूल	04:51:15
चन्द्र		धनु	मूल	12:01:14
मंगल		धनु	मूल	09:51:57
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	17:39:28
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	28:31:44
शुक्र		धनु	मूल	00:47:14
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:23:26
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	17:34:19
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	17:34:19
मुंथा		धनु	मूल	06:08:47

मासाधिपति

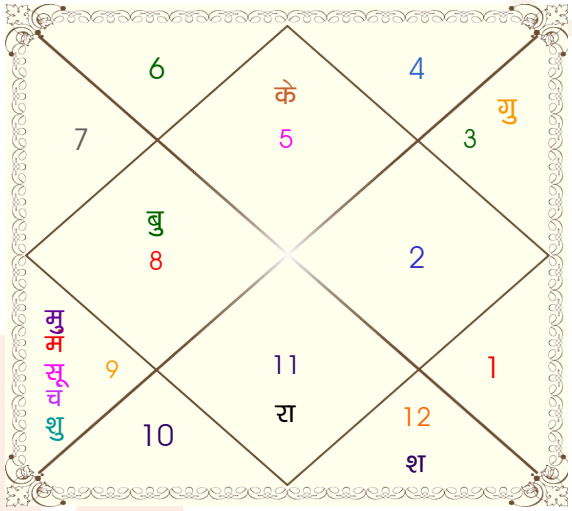

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का अभिवर्द्धन होगा तथा सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से सम्पन्न करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही संतति पक्ष से सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी हो सकता है। इस मास में आपका प्रभुत्व बढ़ेगा तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस माह में सम्पन्न होंगे तथा अच्छे समाचारों की भी प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों का आप पूर्ण सम्मान करेंगे तथा श्रद्धापूर्वक उनका पूजन भी केरेंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल सिद्ध होंगे।साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी एवं समस्त मानसिक चिन्ताएं दूर होंगी जिससे आप मन से सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य कई प्रकार से भी आवश्यक सुखों को प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा उत्पन्न होगी। इस प्रकार आप इस मास को पूर्ण सुख शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे।

तृतीय मास
19/01/2026 09:29:21 से 17/02/2026 23:26:33 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	15:28:53
सूर्य		मकर	उत्तराषाढ़ा	04:51:15
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	08:45:09
मंगल		मकर	उत्तराषाढ़ा	02:29:31
बुध		मकर	उत्तराषाढ़ा	03:14:00
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	24:42:31
शुक्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	07:50:04
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	03:14:38
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	15:15:04
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	15:15:04
मुंथा		धनु	मूल	08:38:47

मासाधिपति

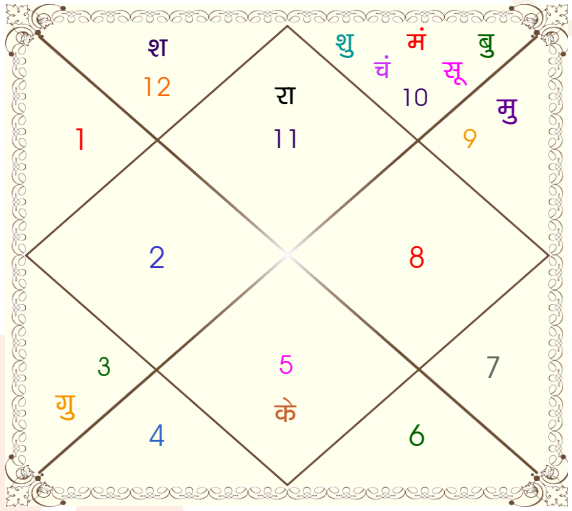

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आपको पूर्ण लाभ होगा तथा सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपका स्वास्थ भी उत्तम रहेगा तथा मन से भी पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। ज्ञानार्जन में भी आप रूचिशील रहेंगे तथा इस क्षेत्र में आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। आपको इस मास वांछित पदार्थों की भी प्राप्ति होगी तथा इनका आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगे। समाज तथा समाजिक जनों से आप पूर्ण आदर एवं सम्मान प्राप्त करेंगे साथ ही विगत रूके हुए कार्यों में भी आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

इसके साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित्त दोष से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे तथा रक्त विकार का योग भी बनता है। अतः दुर्घटना आदि से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि से भी धन हानि होने की सम्भावना है अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

चतुर्थ मास
17/02/2026 23:26:33 से 19/03/2026 22:01:59 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	14:12:59
सूर्य		कुम्भ	धनिष्ठा	04:51:15
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	07:51:55
मंगल		मकर	धनिष्ठा	25:39:19
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:44:21
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:36:21
शुक्र		कुम्भ	शतभिषा	14:56:16
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:11:33
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:43:01
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:43:01
मुंथा		धनु	मूल	11:08:47

मासाधिपति

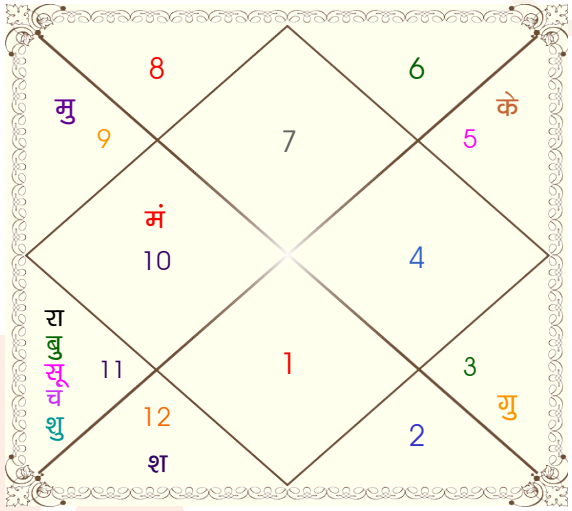

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए उत्तम तथा शुभ फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा नाना प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा एवं सम्मान का भाव विद्यमान रहेगा तथा धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को भी आप सम्पन्न करेंगे। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आश्रय प्राप्त करके समाज में यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस महीने में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उनको सहयोग तथा सुख प्रदान करेंगे इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी आप सफलता अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी सुख प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी सद्विचारों की वृद्धि होगी। विविध प्रकार के सुखों का आप इस समय उपभोग कर सकेंगे। इसके अलावा धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने में भी आप सफल हो सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपका शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

पंचम् मास
19/03/2026 22:01:59 से 19/04/2026 08:33:20 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	21:22:14
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	04:51:15
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	13:05:47
मंगल		कुम्भ	शतभिषा	19:14:10
बुध	व	कुम्भ	शतभिषा	14:19:45
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	20:58:50
शुक्र		मीन	रेवती	22:12:47
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	09:47:13
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:43:29
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:43:29
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	13:38:47

मासाधिपति

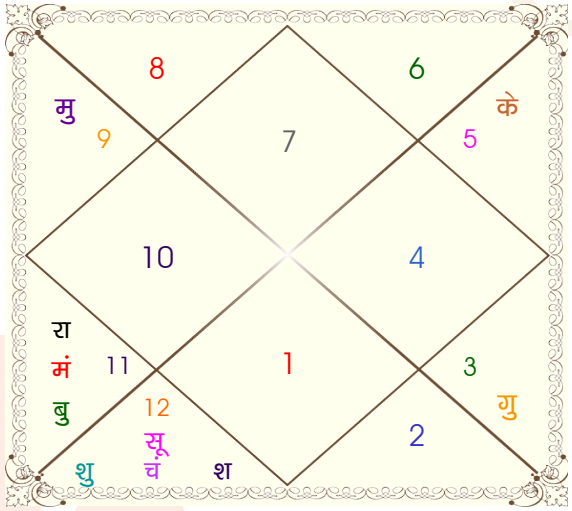

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप उत्तम फल प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से भी आपको यथोचित मान सम्मान एवं यश प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी आप इस मास तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा तथा मान प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त भाइयों से आपको इस समय पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपके मानसिक विचार एवं संकल्प भी पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता भी अर्जित करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा भाव उत्पन्न होता रहेगा। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा।

षष्ठ मास

19/04/2026 08:33:20 से 20/05/2026 07:12:39 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	20:29:04
सूर्य		मेष	अश्विनी	04:51:15
चन्द्र		मेष	कृतिका	27:32:00
मंगल		मीन	उ०भाद्रपद	13:00:13
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	11:37:17
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	23:11:05
शुक्र		मेष	कृतिका	29:37:59
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:32:25
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	13:29:41
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	13:29:41
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	16:08:47

मासाधिपति

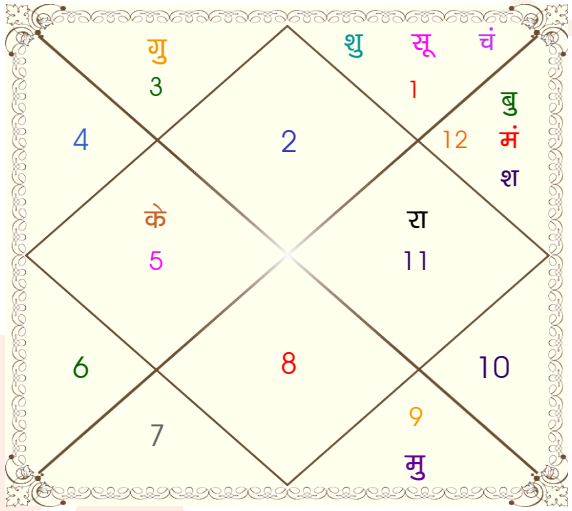

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा अतः इस समय शत्रु पक्ष से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे अनावश्यक समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। साथ ही इस समय आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी तथा अनावश्यक व्यय भी होगा एवं शुभ कार्यो में विध्न बाधाएं भी उत्पन्न होंगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी एवं धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा इसके अनुपालन में भी उपेक्षा का भाव रखेंगे। आप इस समय शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं कई प्रकार से कष्ट भी प्राप्त करेंगे जिससे आपकी शारीरिक शक्ति में अल्पता आएगी। इस मास में आप दूर की किसी यात्रा को भी संम्पन्न कर सकते है। सांसारिक कार्यो में भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन व्यय होगा अतः मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त दोष से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। इस समय किसी प्रकार का रक्त विकार भी हो सकता है तथा अग्नि आदि से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सतर्कता पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें जिससे अनावश्यक कष्ट तथा बाधाएं उत्पन्न न हों।

सप्तम् मास
20/05/2026 07:12:39 से 20/06/2026 14:50:58 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	मृगशिरा	00:29:32
सूर्य		वृष	कृतिका	04:51:15
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	20:37:22
मंगल		मेष	अश्विनी	06:37:41
बुध		वृष	रोहिणी	11:29:47
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	27:40:48
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	06:59:56
शनि		मीन	रेवती	16:55:54
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	10:35:48
केतु	व	सिंह	मघा	10:35:48
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	18:38:47

मासाधिपति

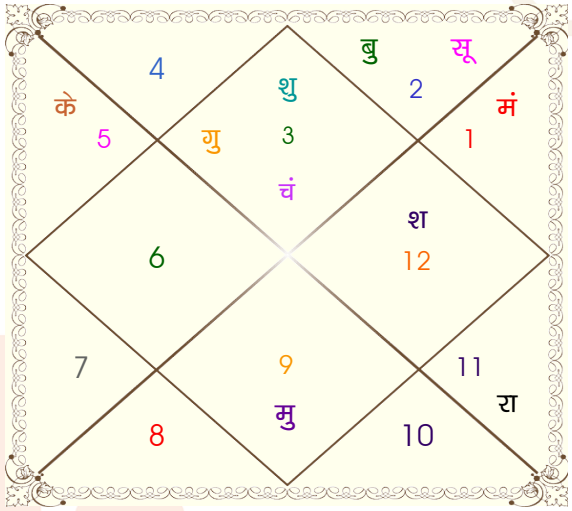

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए काफी अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आप स्त्री पक्ष तथा बन्धुजनों से कष्ट प्राप्त करेंगे साथ ही आपके शत्रु भी बलवान होंगे जिससे आप उनसे भी भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में न्यूनता रहेगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे एवं मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। मित्रों एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव का वातावरण रहेगा जिसके कारण आपके मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे। फलतः मानसिक रूप से आप अत्यंत ही अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य सामाजिक जनों से भी समय समय पर वाद विवाद तथा संघर्ष होते रहेंगे जिससे समाज में भी सम्मान में अल्पता आएगी। अतः सोच समझकर अपना समय व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त दोषों से अस्वस्थ होंगे फलतः शरीर में निर्बलता रहेगी। इस समय रूधिर विकार भी हो सकता है अतः सावधानी पूर्वक रहें एवं दुर्घटनाओं की उपेक्षा करें। इसके अतिरिक्त इस समय आग के द्वारा भी आपकी क्षति हो सकती है। अतः यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा।

अष्टम् मास
20/06/2026 14:50:58 से 22/07/2026 01:42:07 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	07:19:00
सूर्य		मिथुन	मृगशिरा	04:51:15
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:22:18
मंगल		मेष	कृतिका	29:43:30
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	28:45:23
गुरु		कर्क	पुष्य	03:41:37
शुक्र		कर्क	पुष्य	13:49:16
शनि		मीन	रेवती	19:24:56
राहु		कुम्भ	शतभिषा	07:40:44
केतु		सिंह	मघा	07:40:44
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:08:47

मासाधिपति

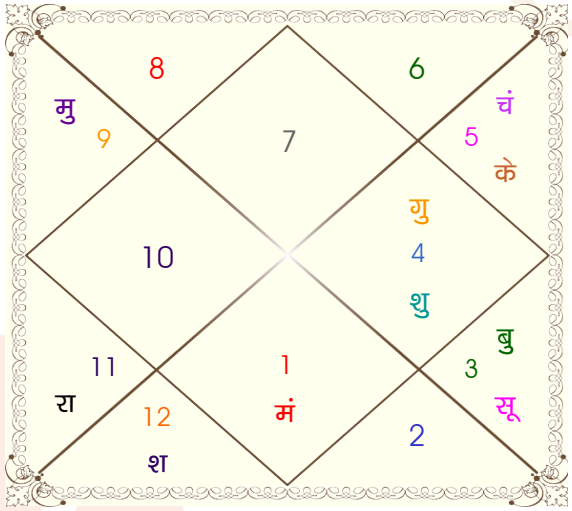

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिये सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखोपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा श्रद्धा पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही समाज में अन्य लोगों की भलाई करने में भी आप तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य ही रहेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त करेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि के द्वारा भी आप हानि प्राप्त कर सकते है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास
22/07/2026 01:42:07 से 22/08/2026 09:02:08 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	कृतिका	09:41:04
सूर्य		कर्क	पुष्य	04:51:15
चन्द्र		तुला	स्वाति	09:10:10
मंगल		वृष	रोहिणी	21:54:47
बुध	व	मिथुन	पुनर्वसु	22:17:31
गुरु		कर्क	पुष्य	10:28:57
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	19:04:07
शनि		मीन	रेवती	20:29:54
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	06:03:18
केतु	व	सिंह	मघा	06:03:18
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:38:47

मासाधिपति

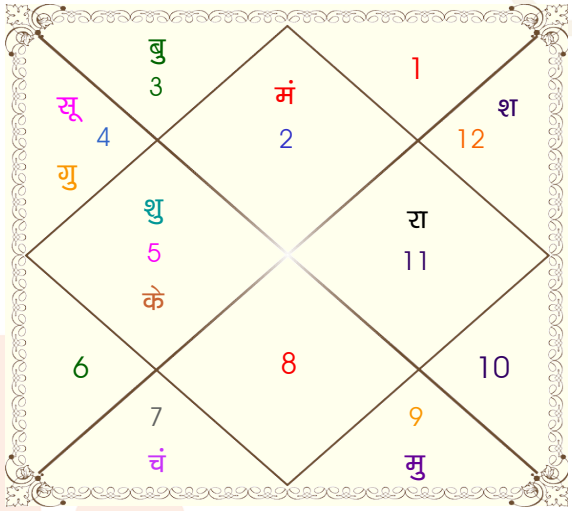

मासाधिपति : गुरु

यह महीना आपके लिए अशुभ फल अधिक मात्रा में प्रदान करेगा तथा शुभ फल अल्प मात्रा में ही घटित होंगे। इस समय शत्रु पक्ष से आप चितित एवं भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे कई अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे।साथ ही इस मास में आपके घर में चोरी आदि भी हो सकती है तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में विघ्न बाधाएं आती रहेंगी। इस समय आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा एवं देवता तथा ब्राहमणों के प्रति उपेक्षा का भाव रखेंगे। इसके अतिरिक्त आपका स्वास्थ्य खराब रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट प्राप्त कर सकते है। इस समय दूर समीप की कोई यात्रा भी कर सकते है। साथ ही सांसारिक कार्यो से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्ययाधिक्य की संभावना रहेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः स्त्री से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा एवं अपनी बुद्धिमता से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे एवं समाज में यथोचित सम्मान भी प्राप्त होगा।

दशम् मास
22/08/2026 09:02:08 से 22/09/2026 07:10:32 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	15:12:10
सूर्य		सिंह	मघा	04:51:15
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	27:08:24
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	12:50:38
बुध		कर्क	आश्लेषा	29:07:12
गुरु		कर्क	आश्लेषा	17:22:08
शुक्र		कन्या	हस्त	20:31:31
शनि	व	मीन	रेवती	19:56:21
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:35:39
केतु		सिंह	मघा	05:35:39
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	26:08:47

मासाधिपति

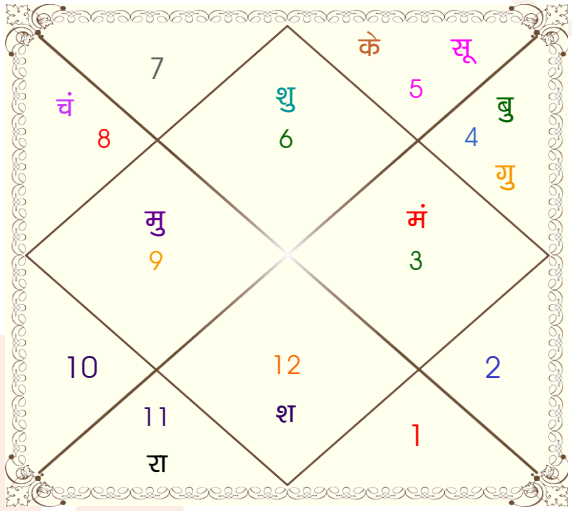

मासाधिपति : बुध

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता रहेगी। इस मास में आपके शत्रु प्रबल रहेंगे अतः उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप अशान्त तथा उद्विग्न रहेंगे। इस समय आपके घर में किसी प्रकार से चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए।साथ ही आपके व्यापार या नौकरी आदि के क्षेत्र में शिथिलता रहेगी तथा कई अनावश्यक विध्न बाधाएं उत्पन्न होंगी। इस समय आपका कोई कार्य परिवर्तन हो सकता है या छूट भी सकता है। समाज में अन्य जनों से भी आपका परस्पर विवाद तथा संघर्ष होता रहेगा जिससे आपके सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि की भी संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाले रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा किसी दुर्घटना आदि से रुधिर विकार भी हो सकता है अतः इस मास में आप सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें तथा शारीरिक सुरक्षा की ओर विशेष ध्यान रखें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

एकादश मास
22/09/2026 07:10:32 से 22/10/2026 17:07:26 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	17:28:04
सूर्य		कन्या	उ०फाल्गुनी	04:51:15
चन्द्र		मकर	श्रवण	10:01:55
मंगल		कर्क	पुनर्वसु	02:10:30
बुध		कन्या	चित्रा	23:51:37
गुरु		कर्क	आश्लेषा	23:42:25
शुक्र		तुला	स्वाति	11:59:36
शनि	व	मीन	रेवती	18:02:03
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:20:26
केतु		सिंह	मघा	05:20:26
मुंथा		धनु	उत्तराषाढ़ा	28:38:47

मासाधिपति

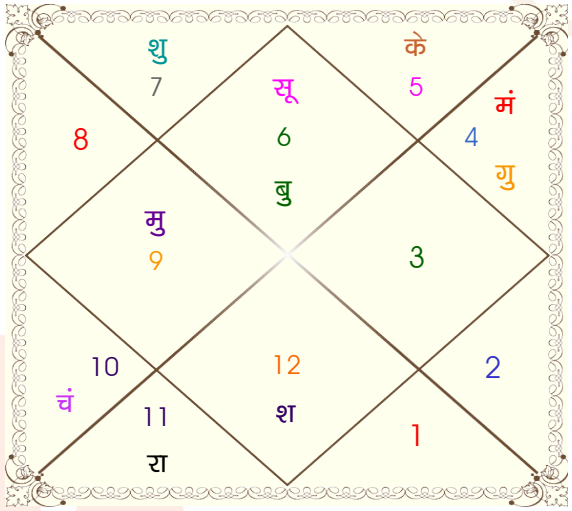

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही दुश्मन भी बलवान रहेंगे अतः उनकी ओर से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस मास में आपके कार्य क्षेत्र में न्यूनता रहेगी तथा कार्य क्षेत्र में परिवर्तन या कोई कार्य छूट सकता है या बंद भी हो सकता है। साथ ही समाज में अन्य जनों से आपके विशेष मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी धन हानि होने की संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है। अतः सावधानी तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे एवं उच्चाधिकारी वर्ग से भी न्यूनाधिक सहयोग मिलता रहेगा। इसके साथ ही इस समय आप अपनी बुद्धिमता से धनार्जन एवं सुख प्राप्त करने में सफलता अर्जित कर सकेंगे।

द्वादश मास
22/10/2026 17:07:26 से 21/11/2026 15:13:43 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	23:27:16
सूर्य		तुला	चित्रा	04:51:15
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	18:00:21
मंगल		कर्क	आश्लेषा	19:27:29
बुध		तुला	विशाखा	26:32:11
गुरु		कर्क	आश्लेषा	28:49:58
शुक्र	व	तुला	स्वाति	07:32:11
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	15:41:46
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	03:48:22
केतु	व	सिंह	मघा	03:48:22
मुंथा		मकर	उत्तराषाढ़ा	01:08:47

मासाधिपति

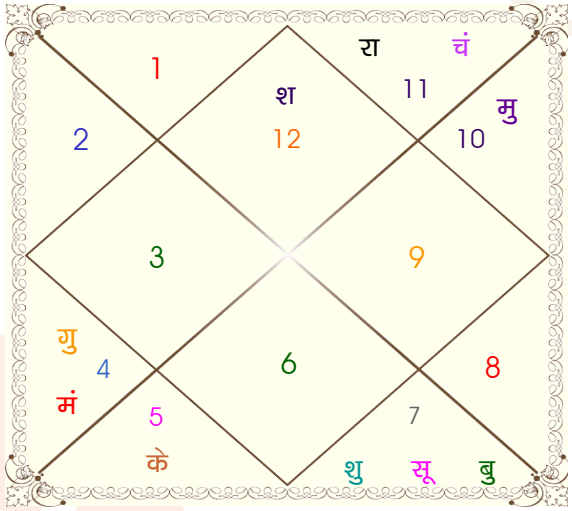

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय स्त्री पक्ष से लाभार्जन करने में आप सफल रहेंगे तथा आपके सौभाग्य में भी आशातीत वृद्धि होगी जिससे आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध हो जाएंगे इससे मानसिक रूप से आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं उनसे आपको यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपका स्वास्थ्य भी ठीक ही रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आपकी रूचि उत्पन्न होगी। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे इस मास में आप इच्छित द्रव्यों को भी प्राप्त करेंगे तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा एवं समाज से पूर्ण सम्मान प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपको रूके कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ समय समय पर अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप ठंड या वात से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्ट की अनुभूति करेंगे साथ ही किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप क्षति प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।